



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



Cadaver Organ Donor

Lt. Jayesh Rameshbhai Cheripelli

Donated His: Kidney, Liver & Corneas

Date:- 27/10/2023

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

एक और अंगदान डोनेट लाइफ द्वाया किरण हॉस्पिटल से किया गया **जयेश के परिवार ने किडनी, लीवर और आंखें दान कर पांच लोगों को नवजीवन बख्ता मानवता की खुशबू फैलाकर समाज को एक नई दिशा दिखाई**

अतुल्य हिन्दुस्तान
संवाददाता

सूरत, पश्चाली तेलुगु समाज के जयेश रमेशभाई चेरिपल्ली (36) के परिवार ने डोनेट लाइफ के माध्यम से जयेश की किडनी, लीवर और आंखें दान की और पांच लोगों को नवजीवन बख्ताते हुए मानवता की खुशबू फैलाकर समाज को एक नई दिशा दिखाई। सूरत के किरण हॉस्पिटल में किडनी और लिवर दोनों का ट्रांसप्लांट किया गया। डोनेट लाइफ संस्था अब तक देश-विदेश के एक हजार अस्सी से अधिक लोगों को अलग-अलग अंग दान कर नई जिंदगी देने में सफल रही है। कपड़ा और हीरा नगरी के नाम से मशहूर सूरत अब देश में अंग दाता शहर के रूप में मशहूर हो रहा है। जयेश प्लॉट नंबर 486/487, रविदर्शन रो हाउस, श्री लालाजी की हवेली के पास, कनकपुर, कंसाड, सचिन, सूरत में रहता है और सचिन में तुलसी होटल के सामने चाय की लौरी चलता है। 22 अक्टूबर को अपनी चाय की लौरी पर काम करते समय उसे चक्कर आया और वह



नीलेश मांडलेवाला के मार्गदर्शन में प्रक्रिया

अंगदान की पूरी प्रक्रिया डोनेट लाइफ के संस्थापक और अध्यक्ष नीलेश मांडलेवाला के मार्गदर्शन में की गई। जिसमें जयेश की पल्सी सोनलबेन, बड़े भाई नरेंद्र, चचेरे भाई राजेश, बहनोंई बलराज और चेरिपल्ली परिवार के अन्य सदस्य, न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक ठाकोर, न्यूरोफिजिशियन डॉ. हीना फल्टू, इंटेसिविस्ट डॉ. दर्शन त्रिवेदी, चिकित्सा निदेशक डॉ. मेहूल पांचाल, ट्रांसप्लांट समन्वयक डॉ. अल्पा पटेल, असिस्टेंट ट्रांसप्लांट को-ऑफिनेटर जगदीश सिंधव, किरण हॉस्पिटल के प्रबंधन एवं स्टाफ, डोनेट लाइफ के कार्यक्रम अधिकारी सुभाष जोधानी का सहयोग रहा।

गिरकर बेहोश हो गया। उन्हें तुरंत पास के समर्पण अस्पताल में भर्ती कराया गया। निदान के लिए एमआरआई कराने के बाद, ऊंगरी वैध अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ से उन्हें आगे के इलाज के लिए सूरत के किरण अस्पताल में

25 अक्टूबर को भर्ती कराया गया। 26 अक्टूबर को न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक ठाकोर, न्यूरोफिजिशियन डॉ. हीना फल्टू, इंटेसिविस्ट डॉ. दर्शन त्रिवेदी, चिकित्सा निदेशक डॉ. मेहूल पांचाल ने जयेश को ब्रेन डेर्ड घोषित कर दिया।

परिवार से अंगदान की सहमति और प्रत्यारोपण

परिवार से अंगदान की सहमति मिलने के बाद एसओटीटीओ से संपर्क किया गया। एसओटीटीओ द्वारा दोनों किडनी और लीवर सूरत के किरण अस्पताल को आवंटित किए गए थे। लिवर दान किरण हॉस्पिटल के डॉक्टर गवि मोहनका, डॉ. धर्मेश धनानी और उनकी टीम ने किडनी डोनेशन डॉ. प्रमोद पटेल, डॉ. मुकेश अहीर, डॉ. कल्पेश गोहिल, डॉ. धर्मेश नामा एवं उनकी टीम ने स्वीकार किया। जबकी डॉ. संकित शाह, किरण हॉस्पिटल द्वारा नेत्रदान स्वीकार किया गया। सूरत निवासी 16 वर्षीय युवक में दान की गई एक किडनी का प्रत्यारोपण। सूरत के 28 वर्षीय युवक में दूसरी किडनी का प्रत्यारोपण। सूरत के 49 वर्षीय निवासी का सूरत के किरण अस्पताल में लिवर ट्रांसप्लांट किया गया। दान की गई आंखें किरण अस्पताल में दो जरूरतमंद मरीजों में प्रत्यारोपित की जाएंगी।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृत्यान... "



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

अंगदान • ब्रेनडे� युवक की दोनों किडनियां, लीवर और आंखों का दान किया गया चाय का ठेला चलाने वाले जयेश के ब्रेनडे� होने पर किया अंगदान का फैसला, 5 को मिला नया जीवन

हेल्थ रिपोर्टर | सूरत

सूरत से एक और अंगदान किया गया है। सचिन के ब्रेन डे� युवक के अंगदान से पांच लोगों को नया जीवन मिला। जानकारी के अनुसार सूरत के किरण अस्पताल में भर्ती युवक ब्रेनडे� हो गया। तो परिजनों ने डोनेट लाइफ संस्था की मदद से अंगदान किया। सचिन कनकपुर, कंसाड निवासी 36 वर्षीय जयेश रमेश भाईं चेरीपल्ली चाय का ठेला लगाकर अपने परिवार का गुजर करता था। 22 अक्टूबर शाम को वह बेहोश होकर गिर गया। इलाज के लिए उसे पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में 25



अक्टूबर को गंभीर हालत में उसे घोषित कर दिया। किरण अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. मेहुल 26 अक्टूबर को ज्यूरो सर्जन डॉ. भौमिक ठाकोर, न्यूरो फिजिशियन डॉ. हिना, इंटीमियिस्ट डॉ. दर्शन त्रिवेदी, चिकित्सा निदेशक डॉ. मेहुल पांचाल ने जयेश को ब्रेन डे� होने के लिए उसे पास के निजी अस्पताल पहुंची और जयेश के

परिजनों को अंगदान के महत्व और इसकी पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया। जयेश के परिवार में 28 साल की पत्नी सोनल, 8 साल की बेटी रिया और 6 साल का बेटा श्याम हैं। परिवार से अंगदान की सहमति मिलने के बाद जयेश की दोनों किडनी, लीवर और कॉर्निया डोनेट किया गया। दान की गई एक किडनी सस्त के 16 वर्षीय को प्रत्यारोपित की गई, दूसरी किडनी सूरत के 28 वर्षीय को प्रत्यारोपित की गई, और किरण अस्पताल में सूरत के 49 वर्षीय निवासी को लीवर प्रत्यारोपण किया गया। दान की गई आंखें किरण अस्पताल में दो ज़रूरतमंद मरीजों में प्रत्यारोपित की जाएंगी।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे� के बाद किडनी, लिवर, हृत्याटान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

दिवाली से पहले ब्रेनडेड युवक के अंगदानों से पांच लोगों की जिंदगी रोशन हुई

ब्रेनडेड घोषित 36 साल के एक चाय लॉरी चालक युवक के किडनी, लीवर और आंखों का दान हुआ

सूरत। कपड़ा और हीरे की नगरी के नाम से मशहूर सूरत शहर अब देश में अंग दाता शहर के रूप में जाना जाने लगा है। पद्मासाली तेलुगु समाज के चाय की लारी चलाने वाले 36 वर्षीय जयेश रमेशभाई चेरिपल्ली को ब्रेनडेड घोषित होने पर परिवार ने अंगदान किया गया। ब्रेनडेड जयेश के किडनी, लीवर और आंखें दान कर पांच लोगों को नई जिंदगी दी और मानवता की खुशबू फैलाकर समाज को नई दिशा दिखाई। सूरत के किरण हॉस्पिटल में किडनी और लिवर दोनों ट्रांसप्लांट किए गए। जयेश चेरिपल्ली प्लॉट नंबर 486/487, रविदर्शन रो हाउस, श्री लालाजी की हवेली के पास, कनकपुर, कंसाड, सचिन, सूरत निवासी और सचिन में तुलसी होटल के सामने चाय की लॉरी चलाता है। 22 अक्टूबर को शाम 4:00 बजे अपनी चाय की लॉरी पर काम करते समय उसे चक्रर आया और वह गिरकर बेहोश हो गया। उन्हें तुरंत पास के समर्पण अस्पताल में भर्ती कराया गया। एमआरआई कराने के बाद, अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें आगे के इलाज के लिए 25 अक्टूबर को सूरत के किरण अस्पताल में भर्ती कराया गया। दावर किया गया।

26 अक्टूबर को न्यूरोसर्जन ने जयेश को ब्रेन डेड घोषित किया। किरण अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. मेहुल पंचाल ने डोनेट लाइफ के संस्थापक नीलेश मांडलेवाला से संपर्क किया और उन्हें जयेश के ब्रेन डेड होने की जानकारी दी। डोनेट लाइफ की टीम डॉ. मेहुल पांचाल अस्पताल पहुंची



और ब्रेनडेड जयेश के बड़े भाई नरेंद्र, जीजा बलराज, चचेरे भाई राजेश के साथ रहे ने अंग दान के महत्व और इसकी पूरी प्रक्रिया को समझाया। जयेश के परिवार में 28 साल की पत्नी सोनल, 8 साल की बेटी रिया हैं, जो सचिन में आई. सी. नायक स्कूल में कक्षा 3 में पढ़ता है, बेटा श्याम उम्र 6, जो सचिन के कलरटेक्स इंग्लिश मैडियम स्कूल में कक्षा 1 में पढ़ता है। परिवार से अंगदान की सहमति मिलने के बाद एसओटीटीओ से संपर्क किया गया। एसओटीटीओ द्वारा किडनी और लीवर दोनों किरण अस्पताल, सूरत को आवंटित किए गए थे। दान की गई एक किडनी सूरत के 16 वर्षीय निवासी को प्रत्यारोपित की गई, दूसरी किडनी सूरत के 28 वर्षीय निवासी को प्रत्यारोपित की गई, और किरण अस्पताल में सूरत के 49 वर्षीय निवासी को लीवर प्रत्यारोपण किया गया। दान की गई आंखें किरण अस्पताल में दो जरूरतमंद मरीजों में प्रत्यारोपित की जाएंगी।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लीवर, हृत्याना..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

સુરતના બ્રેઈનડેડ યુવાનનું અવયવ દાન : લીવર, કિડની અને ચક્કુઅંધી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન

અમારા પ્રતિનિધિ તરફથી

સુરત, તા. ર૭ : સુરતમાં વધુ એક અંગદાન ડોનેટ લાઈફ સંસ્થા દ્વારા કિરણ હોસ્પિટલથી કરાવવામાં આવ્યું પદ્ધતાની તેલુગુ સમાજના જ્યેશ રમેશભાઈ ચેરીપટલી ઉ. - ૩૬ના પરિવારે ડોનેટ લાઈફના માધ્યમથી જ્યેશના કિડની, લિવર અને ચક્કુઅંધી દાન કરી પાંચ વ્યક્તિનોને નવજીવન બન્ધી માનવતાની મેરેક ફેલાવી સમાજને નવી હિસા બતાવી. બને કિડની અને લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતની કિરણ હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું. ડોનેટ લાઈફ સંસ્થા દ્વારા અત્યાર સુધી કુદા કુદા અંગેના દાન કરાવીને દેશ અને વિદેશના કુલ એક હજાર અંસીથી વધુ વ્યક્તિનોને નવું જીવન આપવામાં સહજતા મળી છે.

ટેકસ્ટાઇલ અને ડાયમંડ સીટી તરફે અભોજાનું શાહેર હંવે દેરામાં ઓર્ગન ડોનર શાહેર તરીકે ખ્યાલી પણી રહ્યું છે. ત્યારે સથીન વિસ્તારમાં રહેતા જ્યેશ રમેશભાઈ ચેરીપટલી તા. ર૭ ઓક્ટોબરના સાંચે ડામ કરી રહ્યો હતો, ત્યારે તેને વક્ત્ર આવતા નીચે પણી ગયો હતો અને બેભાન થઈ ગયો હતો. તેને તાત્કાલિક નજીકમાં આવેલ સમર્પણ હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યો. ત્યાં નિધાન માટે અભોજારાખાઈ કરાવતા પેરાલીસીસની અસર જાળતા કુંગરી, વૈષ હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યો, ત્યાંથી વધુ સારવાર માટે પરિવારજનોને તેને સુરતની કિરણ હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યો હતા. તા. ર૭, ઓક્ટોબરના રેણુ નુરોસર્જન ડૉ. બોમીક કારોર, નુરોકોર્નોશાપન ડૉ. લીના હણકુ, જ્યેશભાઈને કેન્દ્રનેડ જાહેર કર્યું હતા.

કિરણ હોસ્પિટલના મેરીકલ ટ્રાન્સ્પેક્ટર ડૉ. મેહુલ પંચાલે ડોનેટ લાઈફના સ્થાપક નિલેશ



માંડલેવાલાનો ટેલિકોનિક સંપર્ક કરી જ્યેશભાઈના કેન્દ્રનેડ અંગેની જાણકારી આપી ડોનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી ડૉ. મેહુલ પંચાલ સાથે રહી જ્યેશના મોટાભાઈ નસેન્દ્ર, બનેંબી બલસાંજ, પિતરાઈ ભાઈ રાહેરને અંગદાનનું માટ્યત્વ અને તેની સમગ્ર મહિયા સમજાવી હતી. જ્યેશના પરિવારજનોને જાણાય્યું કે, જ્યેશ કેન્દ્રનેડ છે અને તેમનું મૃત્યુ નિશ્ચિત જ છે. શરીર તો રાખ જ થઈ જવાનું છે, ત્યારે તેના જેટલા પણ અંગેનું દાન થઈ શક્યું હોય તે બધા જ અંગેનું દાન કરાવીને ઓર્ગન નિયન્ત્રણના દ્વારાનોને નવજીવન આપવા માટે આપ આગળ વધો. પરિવારજનો તરફથી અંગદાનની સંમતિ મળતા સોટોનો સંપર્ક કરવામાં આવ્યો. સોટો દ્વારા બને કિડની અને લિવર સુરતની કિરણ હોસ્પિટલને કાગવવામાં આવ્યા. જ્યારે લિવરનું દાન કિરણ હોસ્પિટલના ડૉ. રવિ મોહના, ડૉ. ધરોશ ધાનાણી અને તેમની ટીમે, કિડનીનું દાન કિડનીનું દાન ડૉ. પ્રમોદ પટેલ, ડૉ. મુકેશ

આહિર, ડૉ. કલ્પેશ ગોકુલ, ડૉ. ધરોશ નામા અને તેમની ટીમે સ્વીકાર્પુ. જ્યારે ચક્કુઅંધી દાન કિરણ હોસ્પિટલના ડૉ. સંકિત શાહે સ્વીકાર્પુ. દાનમાં મેળવવામાં આવેલી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના સેવાસી ૧૬, વર્ષીય પુરુકમાં, બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના સેવાસી ૨૮ વર્ષીય પુરુણમાં, લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરત ના સેવાસી ૪૮ વર્ષીય વ્યક્તિનાં સુરતની કિરણ હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું. દાનમાં મેળવવામાં આવેલા ચક્કુઅંધી ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કિરણ હોસ્પિટલમાં બે જરૂરિયાતમંદ દ્વારામાં કરવામાં આવ્યો.

સુરત અને દલિશ જુઝરાતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા કુલ ૧૧૭ અંગે અને ટીસ્પુંયોનું દાન કરવામાં આવ્યું છે, એમાં ૪૮, કિડની, ૨૦૯ લિવર, ૪૮ કાદ્ય, ૪૦ કેલ્સાં, ૮ પેન્સીઅસ, ૪ લાય, ૧ નાનું આતરરૂં અને ૩૮૧ ચક્કુઅંધી દાનથી દેશ અને વિદેશના કુલ ૧૦૮૨ વ્યક્તિનોને નવું જીવન અને નવી દાયિ ભલવામાં સહજતા મળી છે.

" જીતે જી રહ્યાના, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હટયાટાન... "



સચિનના યુવાનના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું

(પ્રતિનિધિ દ્વારા)

સુરત, શુક્રવાર

સચિન રહેતો અને પદ્મશાળી તેલુગુ સમાજના યુવાનની કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરી પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન બખી માનવતાની મહેક ફેલાવી સમાજને નવી દિશા બતાવી હતી.

પદ્મશાળી તેલુગુ સમાજના જ્યેશ ચેરીપલ્ટીના પરિવારે કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કર્યું

સચિનમાં કનકપુર રોડ પર શ્રી લાલાજીની હવેલી પાસે રવીદર્શન રો હાઉસ રહેતો ઉદ્વિધ જ્યેશ રમેશભાઈ ચેરીપલ્ટી સચીનમાં ચાની લારી ચલાવતો હતો. ગત તા. ૨૨મીએ સાંજે તે ચાની લારી પર કામ કરી રહ્યો હતો, ત્યારે તેને ચક્કર આવતા નીચે પડી જતા બેભાન થઈ ગયો હતો. તેને તરત સારવાર માટે નજીકમાં આવેલી ખાનગી હોસ્પિટલમાં ખસેડાયો હતો. ત્યાં તેનું એમ.આર.આઈ કરાવતા પેરાલીસીસની અસર થઈ હોવાનું

નિદાન થયું હતું. જેથી તેને વધુ સારવાર માટે કુંગરની હોસ્પિટલ બાદ સુરતની ગ્રાઇવેટ હોસ્પિટલમાં ગત તા. ૨૫મીએ દાખલ કર્યો હતો. ત્યાં ગત તા. ૨૬મીએ ડેક્ટરની ટીમે જ્યેશને બ્રેઇનડેડ જાહેર કર્યો હતો. આ અંગે જાણ થતા ડેનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી જ્યેશના પરિવારના સત્યોને



અંગદાનનું મહત્વ સમજાવતા સંમતિ આપો હતી જેથી તેમની બંને કિડની અને લિવર તથા ચક્ષુઓનું દાન સુરતની ગ્રાઇવેટ હોસ્પિટલે સ્વીકાર્ય હતું. દાનમાં મળેલી એક કિડનીનું સુરતમાં રહેતો ૧૬ વર્ષીય તરુણમાં અને બીજી કિડનીનું સુરતમાં રહેતો ૨૮ વર્ષીય યુવાનમાં તથા લિવરનું સુરતમાં રહેતા ૪૮ વર્ષીય વ્યક્તિમાં સુરતની ડિરાણ હોસ્પિટલમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું. જ્યારે દાનમાં મળેલા ચક્ષુઓનું હોસ્પિટલમાં બે જરૂરિયાતમંદ દદીમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવશે. જ્યારે જ્યેશના પરિવારમાં પત્ની સોનલ (૩.૧ ૨૮), પુત્રી રીયા (૩.૧ ૮) સચીનની સ્કુલમાં ધો. તુ માં અભ્યાસ કરે છે અને પુત્ર શ્વામ (૩.૧. ૬) સચીનમાં આવેલી અંગ્રેજી માધ્યમ સ્કુલમાં ધો. ૧ માં અભ્યાસ કરે છે.



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

22મીએ કામ પર હતો ત્યારે ચક્કર આવી લક્વો થયો હતો પેરાલિસિસ બાદ સચિનના યુવકનું નિધન, અંગાણથી 5ને નવજીવન બંને કિડની અને લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કિરણ હોસ્પિટલમાં કરાયું

કાઇમ રિપોર્ટર | સુચત

સચિન-કનસાડના બેઈનડેડ યુવકના અંગોનું દાન કરીને 5 વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું છે. બંને કિડની અને લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કિરણ હોસ્પિટલમાં કરાયું હતું.

કનકપુર કનસાડ પાસે રવિદર્શન રો હાઉસમાં રહેતા જ્યેશ ચેરીપટ્ટી ચાની લારી ચલાવતા હતા. 22મીએ તેમને ચક્કર આવતાં પડી ગયા હતા. જ્યેશને પેરાલીસીસીની અસર હોય સુરતની કિરણ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયો હતો. ત્રણ દિવસ બાદ જ્યેશનું અવસાન થયું હતું. ડોક્ટરોએ તેમને બેઈન ડેડ જાહેર કર્યો બાદ પરિવારને જાણ કરી હતી અને જ્યેશના અંગોનું દાન કરવા માર્ગદર્શન અપાયું હતું.

પરિવારની સંમતિ બાદ જ્યેશના અંગોનું દાન કરાયું હતું. જેમાં એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના 16 વર્ષિય યુવકમાં, બીજું કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના 28 વર્ષિય યુવાનમાં, લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના 49 વર્ષિય વ્યક્તિમાં કિરણ હોસ્પિટલમાં કરાયું હતું. ચક્ષુઓનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કિરણ હોસ્પિટલમાં બે જરૂરિયાતમંદ દર્દીમાં કરાશે.

સુરત-દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ડેનેટ લાઈફ કુલ 1178 અંગો અને ટીસ્યુઓનું દાન મેળવ્યાં છે જેમાં 486 કિડની, 209 લિવર, 49 હદ્ય, 40 ફેફસાં, 8 પેન્કીઆસ, 4 હાથ, 1 નાનું આતરડું અને 381 ચક્ષુઓના દાનથી દેશ અને વિદેશના કુલ 1082 વ્યક્તિઓને નવજીવન અને નવી દ્વારી અપાવવામાં સંસ્થાને સફળતા મળી છે.

" જીતે જી રહ્યાના, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્યાનાં..."

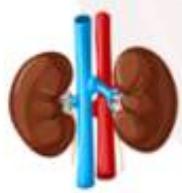


News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

DATE: JANUARY, 2006 TO 27TH OCTOBER, 2023



486

KIDNEY



209

LIVER



49

HEART



40

LUNGS



08

PANCREAS



01

INTESTINE



381

CORNEA



04

HANDS

Total **1178** Organs & Tissues donated,
which has given New Life & Vision to **1082** persons
across Country & Globe.

" जीते जी रक्तान, ब्रेनडे के बाद किडनी, तिवर, हृदयान..."